(c) Suitable guidelines have been issued by Government to public sector undertakings for encouraging the promotion and growth of ancillary industries around them.

नन्दिनी, डल्ली और रझारा लौह अयस्क खानों से उपकर निधि का वसूल किया जाना

*440. **श्री मोहन धैय्या जैन :** क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में वर्ष-वार सरकार ने भिलाई इस्पात संयंत्र के समीप नंदिनी, डल्ली और रझारा आदि लौह अयस्क खानों से कितनी उपकर निधि वसूल की ;

(ख) उसमें से कितनी राशि श्रमिकों के कल्याण के लिए दी गई ;

(ग) क्या इसका लाभ डल्ली, रझारा और नन्दिनी कोयला खोनों के सभी श्रमिकों को मिला है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) : (क) इस क्षेत्र में भिलाई इस्पात संयंत्र की पांच कैप्टिव लौह अयस्क खाने हैं, अर्थात् 1. डाली 2. मयूरपानी, 3. अरिडोंगरी, 4. महामाया, 5. कोकन । प्रत्येक खान से वसूल किये गए उपकर सम्बन्धी अलग अलग आंकड़े इस समय उपलब्ध नहीं हैं । उपलब्ध सूचना के अनुसार, भिलाई इस्पात संयंत्र से एकत्रित लौह अयस्क उपकर निधि इस प्रकार हैं : —

1975–76	10.85 लाख रु०
1976–77	11.80 लाख रु०
1977–78	6.47 लाख रु०

(अक्तूबर, 1977 तक)

नंदनी चूना पत्थर खान से एकत्र किये गये उपकर के सम्बन्ध में वियुक्त आंकड़े इस समय उपलब्ध नहीं हैं ।

(ख) कल्याण कार्यों के लिए धनराशियां खान-वार नहीं बल्कि क्षेत्र-वार आवंटित की जाती हैं । मध्य प्रदेश क्षेत्र के लिए गत तीन वर्षों के सम्बन्ध में आवंटन निम्न प्रकार हैं :—

1974–75	12.82 लाख रु०
1975–76	20.30 लाख रु०
1976–77	85.75 लाख रु० (अनंतिम)

(ग) ये कल्याण सुविधाएं क्षेत्र-विशेष में रहने वाले श्रमिकों की अधिक से अधिक संख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हैं ।

(घ) मध्य प्रदेश में रझारा क्षेत्र के लिए निम्न कल्याण सुविधाओं की व्यवस्था की गई है :—

(1) 2,16,000 रुपए भिलाई मुख्य अस्पताल के लिए विशेष उपकरण खरीदने हेतु मंजूर किये गये हैं ।

(2) एक चलता फिरता चिकित्सा एकक ।

(3) एक रोगी वाहन ।

(4) 46 कुएं ।

(5) रझारा कस्बा जल प्रदाय योजना ।

(6) 1,600 कम लागत मकान (टाइप-1) और नई आवास योजना (टाइप-2) के अधीन 700 मकान मंजूर किये गये थे, जिनमें 600 मकान टाइप-1 के और 700 मकान टाइप–2 के पूर्ण किये जा चुके हैं ।

(7) एक बहु-उद्देश्यीय संस्थान, एक सिनेमा यूनिट, 12 रेडियो केन्द्र, एक पुस्तकालय और एक बच्चों का पार्क ।

(8) डिस्पेंसरी सेवाओं को चलाने के लिए हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड को सहायता अनुदान ।

(9) पाठशाला जाने वाले बच्चों के लिए छात्रवृत्तियां, स्कूल के बच्चों को दोपहर के भोजन के लिए 75 पैसे प्रति बच्चे की दर से सहायता अनुदान ।

(10) स्कूल जाने वाले बच्चे के लिए एक बस ।

(11) श्रमिकों के लिए एक बस ।

(12) नंदनी (चूना पत्थर) खनन क्षेत्र में एक आयुर्वेदिक औषधालय और टाइप–1 के अधीन 100 मकान ।

Orientation Course in Indian Culture for Diplomatic Personnel

*441. SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal in which the diplomatic personnel posted in our Missions abroad are to be given orientation course in Indian culture and way of life for propagating the same in the country of their posting;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether it is proposed to convene a meeting of Diplomats of different regions periodically to make an assessment of portrayal of India's image in those countries; and

(b) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) and (b). Foreign Service officers, during their probationery period, undergo an orientation course in Indian culture at the Indian Council for Cultura Relations. Diplomatic personnel, prior to posting abroad, or change of posting, avail of a period of duty at headquarters when facilities are made available to them to acquaint themselves with developments in this field. The Indian Council for Cultural Relations provides such facilities. However, Government have under consideration the need to reorient the training of diplomatic personnel suitably to enable the projection of a correct image of the country abroad. In September 1977, specific instructions were issued to all our diplomatic missions stressing the importance of projection? a correct image in the country of their accreditation.

(c) and (d). Meetings of diplomats from various regions are held periodically to make an assessment of India's image in those countries. In the recent past, a meeting of our Heads of Missions in the South-Asian and South-East Asian region was held from 23rd to 26th August 1977 at Delhi.

Visit to Bhutan by External Minister Affairs

*442. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU:

SHRI YASHWANT BOROLE:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether he visited Bhutan recently; and

(b) if so, the outcome of talks held with that Government ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) Yes, Sir. At the invitation of His Majesty the King of Bhutan, I visited Bhutan from 19—21 November.

(b) In keeping with the specially close friendship between India and Bhutan, friendship between India and Bhuta the visit was in line with the tradition of frequent high-level exchanges between India and neighbouring countries. In meetings with His Majesty the King and the Royal Government of Bhutan, matters of mutual interest including asistance for Bhutan's economic development, the question of facilitating Bhutan's external trade and other questions where discussed.